संघ का शताब्दी वर्ष : 8 स्थानों पर भव्य हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन, निकला चल समारोह

नीमच।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में शहर में रविवार को 8 विभिन्न स्थानों पर भव्य हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन सम्पन्न हुआ। इन सम्मेलनों के माध्यम से हिन्दू समाज की एकता, सांस्कृतिक चेतना, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया।

सुबह से ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों में उत्साह और उल्लास का वातावरण बना रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 11 जनवरी को प्रात: 11 बजे से शहर के सिद्धि विनायक गणेश मंदिर न्यू इंदिरा नगर, इंदिरा नगर मांगलिक भवन, श्रीकृष्ण मंदिर ग्वालटोली, गौधाम बालाजी मंदिर किलेश्वर रोड, सीएसपी कार्यालय के पास शास्त्री नगर बगीचा, वीनू वाटिका जवाहर नगर, सरस्वती शिशु मंदिर विकास नगर तथा भूतेश्वर महादेव मंदिर परिसर में सम्मेलन आयोजित किए गए। प्रत्येक स्थान पर बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता रही। सम्मेलनों की शुरुआत भव्य शोभायात्राओं से हुई, जिनमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए। इसके पश्चात संत-सत्संग, प्रेरणादायी उद्बोधन और विचार गोष्ठियों का आयोजन किया गया।

वक्ताओं ने संघ के शताब्दी वर्ष के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संघ स्थापना काल से ही हिन्दू समाज की एकता, पुनर्जागरण और सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करता आ रहा है।कार्यक्रमों में पर्यावरण संरक्षण को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। नागरिकों से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने,जल संरक्षण अपनाने और स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया गया। साथ ही सामाजिक समरसता और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया।हिन्दू सम्मेलन संचालन समिति के अनुसार, इससे पूर्व 4 जनवरी को शहर के 6 स्थानों पर आयोजित सम्मेलनों को समाज का व्यापक समर्थन मिला था, जिसमें हजारों नागरिकों ने सहभागिता कर हिन्दू समाज की एकता को सशक्त करने का संकल्प लिया था।

उसी श्रृंखला में रविवार को हुए इन आयोजनों ने समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया।सभी सम्मेलनों का समापन सामूहिक भोज के साथ हुआ। आयोजकों ने शहरवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की सक्रिय सहभागिता से ही ऐसे आयोजन सफल होते हैं।इन सम्मेलनों के माध्यम से शताब्दी वर्ष को जन-जन तक पहुंचाने और सामाजिक चेतना को मजबूत करने का उद्देश्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

एक नजर में

जनपद अध्यक्ष ने कृषि रथ को दिखाई हरी झंडी किसानों को मिली उन्नत खेती की जानकारी

अठाना। ग्राम पंचायत गुर्जर खेड़ी सांखला विकासखंड जावद में मध्य प्रदेश शासन द्वारा 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाए जाने हेतु प्रदेश स्तर से माननीय मुख्यमंत्री द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर कृषि रथ पहुंचाने हेतु 11 जनवरी को भोपाल से शुभारंभ किया गया इसी क्रम में विकास खंड स्तर पर ग्राम पंचायत पर जनपद अध्यक्ष गोपाल चारण द्वारा कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया कृषि रथ का उद्देश्य जैविक खेती एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने एवं मुद्रा स्वास्थ्य कार्ड का प्रचार प्रसार कृषि को लाभकारी बनाने के उपाय विभागीय योजनाओं का प्रचार प्रसार फसल विविधीकरण प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना परली प्रबंधन की विकास प्रणाली अंतर्गत ए टोकन उर्वरक वितरण का प्रचार प्रसार करना है।उसी के साथ ही जनपद अध्यक्ष गोपाल चारण ने किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों और सरकारी योजना के बारे में जानकारी दी। यह कृषि रथ गांव गांव में घूम कर किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन देने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान भी करेगा यह रथ प्रत्येक दिवस 3 ग्राम पंचायत का भ्रमण करेगा।इस कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी समरथ सिंह बघेल, सरपंच चेनराम भील, सचिव कैलाश बंजारा, पटवारी पंकज तोमर सहीत बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

जैन सोशल ग्रुप उड़ान नीमच मप्र रीजन में तीसरी बार प्रथम अवॉर्ड के लिए चयनित

नीमच। जीव दया, पीड़ित मानवता की सेवा, संस्कार शिविर, वृक्षारोपण आदि सेवा गतिविधियों में अग्रणीय जेएसजी उड़ान नीमच को पूरे म.प्र. रीजन के ग्रुपों में नवसृजन के अंतर्गत दिसंबर माह की गतिविधि शीत से बचाव हेतु जरूरत मंदों (सु-पात्रों) को ऊनी वस्त्रों के वितरण करने की गतिविधि में प्रथम अवार्ड के लिए चयनित किया गया।इस गतिविधि के अंतर्गत ग्रुप सदस्यों द्वारा चार चरणों में पांच सेवा की गतिविधियां सुचारु रूप से सफलता पूर्वक संपन्न की गई थी। पूर्व में भी दो बार उड़ान ग्रुप नीमच को प्रथम अवार्ड के लिए चयनित किया गया।ग्रुप, नीमच, एवं जोन, के लिए यह उपलब्धि हासिल करना एक बहुत बड़े गौरव की बात है। ग्रुप अध्यक्ष डॉ.एम.एल.जैन ने इस उपलब्धि का श्रेय दानदाताओं, ग्रुप, जोन , तथा रीजन के पदाधिकारियों ,सदस्यों, मार्गदर्शन प्रदाताओं को देते हुए उन सभी को धन्यवाद प्रदान करते हुए आभार प्रकट किया।

प्रति मंगलवार जनसुनवाई के साथ होगी जल सुनवाई

नीमच। जिला प्रशासन द्वारा जिले में आम नागरिकों की जल संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से प्रति मंगलवार आयोजित होने वाली जनसुनवाई के साथ अब जल सुनवाई भी आयोजित की जाएगी।इस जल सुनवाई में आम नागरिक अपनी जल से संबंधित शिकायतें लेकर उपस्थित हो सकते हैं।जल आपूर्ति, पेयजल, नल कनेक्शन, जल स्तर, पाइपलाइन, टंकी, हैंडपंप सहित अन्य जल संबंधी समस्याओं की सुनवाई कर उनका शीघ्र निराकरण किया जाएगा।जल सुनवाई के माध्यम से नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ वार्ड एवं पंचायत स्तर की जल संबंधी शिकायतों का भी समाधान किया। जाएगा। संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करेंगे। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है, कि वे जल संबंधी किसी भी समस्या के समाधान हेतु प्रति मंगलवार आयोजित जनसुनवाई में उपस्थित होकर जल सुनवाई का लाभ लें।

देर रात चोरों ने एक मकान को बनाया निशाना

सरवानिया महाराज। सरवानिया में देर रात चोरों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए सोने-चांदी के गहनों और नगदी पर हाथ साफ कर दिया।वार्ड नंबर एक के एक रहवासी घर में अज्ञात चोर घुस आए और करीब तीन हजार रुपये नकद सहित कीमती जेवरात लेकर फरार हो गए।घटना के दौरान घर में मौजूद गृहिणी को चोरों ने चाकू दिखाकर डराया-धमकाया, जिससे वह घबरा गई। इसी का फायदा उठाकर आरोपी वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए।घटना की सूचना मिलते ही पीड़ित परिवार पुलिस चौकी पहुंचा, जहां शिकायत दर्ज कराई गई।पुलिस ने पीड़ितों के बयान दर्ज कर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला कायम कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं तथा चोरों की तलाश जारी है।

रामपुरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 5 हजार गांजे के पौधे जब्त

नीमच।थाना रामपुरा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ गांजा उत्पादन के विरुद्ध बड़ी और प्रभावी कार्रवाई करते हुए करीब 5 हजार गांजे के हरे पौधे जप्त किए हैं। जप्त किए गए गांजे का कुल वजन लगभग 3 क्विंटल 20 किलोग्राम बताया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 9 लाख 50 हजार रुपये है।

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश एवं पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार तथा पुलिस अधीक्षक नीमच ×ठ्ठड्ढह्यश्च;अंकित जायसवाल के आदेश पर जिले में अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमच नवल सिंह सिसोदिया एवं प्रभारी एसडीओपी मनासा निकिता सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रामपुरा निरीक्षक विजय सागरिया के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई।

दिनांक 10.01.2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम करनीखेड़ा क्षेत्र में नाले के किनारे गेहूं एवं तुलसी के खेत में अवैध रूप से गांजे की खेती की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां नाले की ओर खेत में लगे गांजे के हरे पौधे बरामद किए गए। मौके से करीब 5 हजार गांजे के पौधे विधिवत जप्त किए गए। भूमि स्वामी अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

इस कार्रवाई में निरीक्षक विजय सागरिया थाना प्रभारी रामपुरा, सहायक उप निरीक्षक नसीम अहमद, सहायक उप निरीक्षक अब्दुल अलीम, प्रधान आरक्षक 429 देवेश मालवीय, प्रधान आरक्षक 113 नितिन पुरोहित, प्रधान आरक्षक 396 प्रदीप तिवारी, आरक्षक 129 रघुवीर सिंह, आरक्षक 446 भूरसिंह डोडियार, आरक्षक 373 सुनील भुरिया, आरक्षक 597 विजय बारीवाल तथा आरक्षक चालक 93 सोनू कलोसिया की सराहनीय भूमिका रही। थाना रामपुरा पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है।

शेख सैयद मुगल पठान कमेटी ने किया 71 प्रतिभाओं को सम्मानित

नीमच। शेख़ सैयद मुग़ल पठान कमेटी नीमच द्वारा रविवार 11 जनवरी को शहर के टाउन हॉल में एक दिवसीय प्रतिभा सम्मान समारोह एवं मोटिवेशनल सेमिनार का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन करना तथा शिक्षा, स्वरोज़गार और सामाजिक उत्थान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरएनटी कॉलेज कपासन के डायरेक्टर डॉ. वसीम खान रहे।अपने प्रेरणादायक संबोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में समाज को अभी और आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं से केवल नौकरी की तलाश तक सीमित न रहकर स्वरोज़गार एवं उद्यमिता की ओर अग्रसर होने का आह्वान किया।

डॉ. खान ने कहा कि आज का समय स्टार्टअप और नवाचार का है। भारत संभावनाओं का देश है और युवाओं में अपार क्षमता है। यदि युवा आधुनिक सोच अपनाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ें, तो वे न केवल स्वयं बल्कि दूसरों को भी रोज़गार दे सकते हैं।उन्होंने देश के विकास में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम के दौरान अशरफ शेख़, असलम पठान, जावेद शेख़ एवं शोएब खान ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने शिक्षा को समाज की रीढ़ बताते हुए कहा कि शिक्षित समाज ही सशक्त राष्ट्र की नींव रखता है।सम्मान समारोह में शिक्षा, खेल एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कुल 71 प्रतिभाओं को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मंच से सम्मान मिलने पर उपस्थितजनों ने तालियों के साथ प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन किया।

कमेटी के अध्यक्ष ज़ाहिद खान ने बताया कि शेख़ सैयद मुग़ल पठान कमेटी नीमच शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोज़गार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समाज को मुख्यधारा से जोड़ने और युवाओं को आगे बढ़ाने का यह प्रयास भविष्य में भी जारी रहेगा।

चीताखेड़ा में डंपिंग यार्ड का विरोध

▶ स्कूल-मंदिर के पास कचरा डालने पर ग्रामीण आक्रोशित, तहसीलदार लौटे खाली हाथ

नीमच। नीमच नगर पालिका के कचरे के लिए चीताखेड़ा में प्रस्तावित डंपिंग यार्ड का ग्रामीणों ने भारी विरोध किया।अंबे माता मंदिर और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पास आवंटित इस भूमि का सीमांकन करने पहुंची राजस्व टीम को ग्रामीणों के आक्रोश के कारण बिना कार्रवाई के लौटना पड़ा।यह घटना जिला कलेक्टर डॉ. हिमांशु चंद्रा के निर्देश पर हुई। जीरन तहसीलदार शत्रुघ्न चतुर्वेदी, नायब तहसीलदार कमलेश डुडवे और पटवारी संदेश चैलावत सहित राजस्व अमला 10 हेक्टेयर भूमि का सीमांकन करने मौके पर पहुंचा था।

टीम के पहुंचते ही चीताखेड़ा, रामनगर और लक्ष्मीपुरा के ग्रामीण बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए।उन्होंने प्रशासन के इस कदम का कड़ा विरोध किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने भी प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राजस्व टीम को सीमांकन किए बिना ही वापस लौटना पड़ा। पंचायत सरपंच श्रीमती मंजू जैन और प्रतिनिधि मनसुख जैन ने प्रशासन की इस कार्रवाई को तानाशाही बताया।उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत को अंधेरे में रखकर इतना बड़ा फैसला लिया गया है, जो सीधे तौर पर ग्रामीणों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।सरपंच ने चेतावनी दी कि नीमच शहर की गंदगी को 20 किलोमीटर दूर लाकर बच्चों के भविष्य और आस्था के केंद्र मंदिर के पास डालना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने यह भी कहा कि यदि प्रशासन ने यह फैसला वापस नहीं लिया तो वे सड़क पर उतरकर भूख हड़ताल करेंगी।

मौके पर मौजूद ग्रामीणों का तर्क था कि स्कूल और मंदिर जैसे पवित्र स्थानों के पास ट्रेंचिंग ग्राउंड बनने से पर्यावरण दूषित होगा। इससे दुर्गंध फैलेगी और पूरा इलाका बीमारियों की चपेट में आ सकता है। विरोध की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार शत्रुघ्न चतुर्वेदी ने जनता में भारी असंतोष स्वीकार किया।उन्होंने बताया कि मौके की विषम परिस्थितियों और ग्रामीणों की भावनाओं से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।फिलहाल, प्रशासन की वापसी के बाद भी क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है।ग्रामीणों ने स्पष्ट कर दिया है कि वे अपनी भूमि को कूड़ादान नहीं बनने देंगे और इस फैसले का लगातार विरोध करेंगे।

अरावली संरक्षण का संदेश लेकर डॉक्टरों की नीमच से उदयपुर 140 किलोमीटर साइकिल यात्रा

नीमच। अरावली पर्वत श्रृंखला के संरक्षण और अवैध खनन के खिलाफ जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से नीमच के छह डॉक्टर मित्रों ने नीमच से उदयपुर तक की 140 किलोमीटर की साइकिल यात्रा पूरी की है।यह यात्रा पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास का सशक्त संदेश दे रही है।

आईएमए नीमच अध्यक्ष डॉ मनीष चमड़िया ने बताया कि अरावली पर्वत श्रृंखला जल संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन लगातार हो रहे अवैध खनन से इसे गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। इससे न केवल प्रकृति को क्षति हो रही है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी संकट में पड़ रहा है।इस साइकिल यात्रा में आईएमए नीमच के अध्यक्ष डॉ मनीष चमड़िया, सचिव डॉ आदित्य भंडारी, डॉ संजय गुप्ता, डॉ प्रकाश पटेल, डॉ दीपक पाटीदार और डॉ अर्णव चंदेल शामिल हैं। सभी चिकित्सक विभिन्न स्थानों पर रुककर आमजन को यह संदेश दे रहे हैं कि विकास तभी सार्थक है, जब वह प्रकृति के संरक्षण के साथ हो।

यात्रा के दौरान ‘पेड़-पर्वत बचाओ, भविष्य सजाओ’ का नारा दिया जा रहा है। डॉक्टरों ने आमजन के साथ-साथ प्रशासन से भी अपील की है कि अरावली पर्वत श्रृंखला के संरक्षण के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएँ, ताकि पर्यावरण संतुलन बना रहे और प्राकृतिक धरोहर सुरक्षित रह सके।

घना कोहरे में लिपटा नीमच ठंड से जनजीवन प्रभावित

नीमच। शहर सहित पूरे अंचल में रविवार सुबह घने कोहरे का असर देखने को मिला।सुबह से ही वातावरण में छाए नीहार (कोहरे) के कारण दृश्यता बेहद कम हो गई, जिससे कुछ ही दूरी पर देख पाना मुश्किल हो गया। कोहरे की वजह से सड़कों पर वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा और एहतियातन वाहनों की रफ्तार धीमी रखनी पड़ी। कई स्थानों पर वाहन लाइट जलाकर चलते नजर आए।कड़ाके की ठंड से बचाव के लिए लोग जगह-जगह अलाव जलाकर राहत पाने का प्रयास करते दिखाई दिए। वातावरण में नमी और उत्तर भारत से आ रही ठंडी हवाओं के कारण सुबह के समय कंपकंपाती ठंड का अहसास हुआ।ठंड का असर आम जनजीवन के साथ-साथ मजदूरों और राहगीरों पर भी स्पष्ट रूप से देखा गया।मौसम विभाग के अनुसार उत्तर भारत से आ रही शीतलहर और ठंडी हवाओं के चलते प्रदेश में मौसम शुष्क बना हुआ है, जिससे ठंड में और इजाफा हो रहा है। आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट आने की संभावना जताई गई है। यदि मौसम में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ तो पाला पड़ने के आसार भी बन सकते हैं,जिससे फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। शनिवार व रविवार सुबह लोग जब नींद से जागे तो चारों ओर घना कोहरा छाया हुआ था।सुबह करीब 10.30 बजे तक तापमान 10 से 14 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जिससे ठंड का असर बना रहा।

एक नजर में ▶ मालवा में किसान कर रहे रात-दिन रखवाली, नई नीति से मिली राहत

सुरक्षा के साए में पनपती अफीम की फसल

नीमच। जावद क्षेत्र सिंगोली रतनगढ़ सहित पड़ोसी राजस्थान के खेतों में इन दिनों अफीम की फसल लहलहा रही है। जैसे-जैसे अफीम के पौधों पर सफेद फूल खिल रहे हैं, वैसे-वैसे किसानों की चौकसी भी बढ़ती जा रही है। यह एक ऐसी फसल है जिसे उगाने से अधिक उसकी सुरक्षा करनी पड़ती है।

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, सुबह की हल्की ठंड और दोपहर की धूप अफीम के पौधों के लिए अनुकूल है। हालांकि, असली चुनौती मौसम नहीं, बल्कि फसल की रखवाली है। जंगली सूअर, नीलगाय (रोजड़े) और असामाजिक तत्वों से फसल को लगातार खतरा बना रहता है। इसी कारण किसान खेतों के चारों ओर लोहे की जालियां और मजबूत बाड़ लगा रहे हैं। वर्तमान में अफीम की फसल पर फूल आए हैं। डोडा आने के बाद किसान अपने खेतों को ही अस्थायी घर बना लेंगे।रात-रात भर अलाव जलाकर पहरा देना उनकी मजबूरी बन जाएगा।

मार्च महीने में जब डोडों पर चीरा लगाया जाएगा, तब उनसे अफीम निकलेगी और डोडे पर जम जाएगी। यह वह समय होता है जब फसल सबसे अधिक संवेदनशील होती है।एक छोटी-सी चूक या चोरी पूरे साल की मेहनत पर पानी फेर सकती है।यदि अफीम चोरी हो जाती है, तो किसान को अगली बार अफीम की बुवाई का लाइसेंस भी नहीं दिया जाता। नई अफीम नीति ने किसानों को कुछ राहत दी है, लेकिन जिम्मेदारी भी बढ़ा दी है।तय मानकों के अनुसार उत्पादन करना और उसे विभाग में जमा करना अनिवार्य है। यही कारण है कि किसान इस फसल को केवल कमाई का साधन नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी मानकर संभाल रहे हैं।

केंद्र सरकार ने वर्ष 2025-26 के लिए नई अफीम नीति घोषित की है। इस नीति से किसानों को राहत मिली है। जो किसान सीपीएस पद्धति से खेती कर रहे थे, उनमें से एक बड़े किसान वर्ग के लिए नई अफीम नीति आसान रही है।पिछले साल जिन किसानों ने विभाग को 10 आरी के पट्टे में से 90 किलोग्राम तक डोडा चूरा तुलवाया था, उन्हें इस बार पारंपरिक खेती करने के लाइसेंस की पात्रता मिल गई है। इस साल यह मात्रा बढ़ाकर 80 किलोग्राम प्रति 10 आरी कर दी गई है।अफीम की यह खेती दर्शाती है कि कुछ फसलें केवल जमीन में नहीं, बल्कि कड़ी निगरानी और अनुशासन में पनपती हैं।इसे बोया नहीं जाता, बल्कि हर दिन सुरक्षा के साए में पाला जाता है।